an>

Title: Need to take necessary measures to expedite Indo-Nepal Pancheswar and Saptakoshi Multipurpose projects.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा): माननीय उपाध्यक्ष जी, बिहार राज्य के कोसी क्षेत्र में प्राय: प्रत्येक साल बाढ़ आती है। वÂान 2008 में कुरसैला बांध टूटने से आयी प्रलयकारी बाढ़ से जो तबाही हुई थी, वह जगजाहिर है। इस तरह के प्रलय का स्थायी रूप से उपाय बहुउद्देशीय कोसी बांध है। बाढ़ नियंत्रण के उद्देश्य से वÂान 1954 में भारत और नेपाल के बीच समझौता हुआ था। वÂान 1997 में कोसी बांध के लिए फिर से भारत-नेपाल ने मिलकर 'सप्तकोसी प्रोजेक्ट' बनाया। 17 अगस्त, 2004 से इसके तकनीकी दल काम पर भी लग गये लेकिन जब रिपोर्ट नहीं बनी तो समय-सीमा 2009 से 2013 तक बढ़ा दी गयी लेकिन आज तक कुछ भी नहीं हुआ जिसका खामियाजा करीब दो से तीन करोड़ जनता को भुगतना पड़ रहा है। पिछले वÂान भारत नेपाल दोनों के आपसी सहयोग से 'पंचेश्वर परियोजना' को लागू करने की दिशा में प्रगति हुई है तथा 'सप्तकोसी बेसिन परियोजना' का डी.पी.आर. बनाने का कार्य चल रहा है।

अत: सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त परियोजनाओं में भारत सरकार व्यक्तिगत दिलचस्पी दिखाते हुए अविलम्ब उपरोक्त योजनाओं को लागू करे ताकि बिहार की जनता को 2008 की बाढ़ जैसी भयावह स्थिति से बचाया जा सके। 'सप्तकोसी बहुउद्देश्यीय बांध' बनने से 3300 मेगावाट बिजली भी पैदा होगी, साथ ही करीब 11 हजार वर्ग किलोमीटर कृÂिा योग्य भूमि सुरक्षित एवं सिंचित हो जाएगी जिससे बाहर के विकास को एक नया आयाम मिल सकेगा।

15.05 hrs